जनेप प्राधिकरणाने वाढवण पोर्ट प्रोजेक्ट लिमिटेड साठी टर्मिनल इन्व्हेस्टमेंट लिमिटेड एसएआरएल सह सामंजस्य करारावर केला

मुंबई, **23** डिसेंबर **2024:** जवाहरलाल नेहरू पत्तन प्राधिकरण - भारतातील सर्वोत्तम कामगिरी करणाऱ्या बंदर, यांनी सोमवार 23 डिसेंबर 2024 रोजी टर्मिनल इन्व्हेस्टमेंट लिमिटेड एसएआरएल (टीआयएल) सोबत महत्त्वपूर्ण सहयोग स्थापित करून वाढवण पोर्ट प्रोजेक्ट लिमिटेडच्या बांधकामासाठी सामंजस्य करारावर स्वाक्षरी केली आहे. ही भागीदारी भारतातील बंदर पायाभूत सुविधा सुधारण्यासाठी आणि वाढवण बंदराला भविष्यातील जागतिक दर्जाचे बंदर बनवण्यासाठी जनेप प्राधिकरणाचे समर्पण दर्शवते. त्यावर जनेप प्राधिकरणाचे अध्यक्ष श्री उन्मेष शरद वाघ, भा.रा.से., आणि सीएमडी, वाप प्रकल्प लिमिटेड व कॅप्टन दीपक तिवारी स्वाक्षरी केली.

सामंजस्य करारानुसार टीआयएलने वाढवण बंदर आणि आसपासच्या परिसंस्थेच्या विकासासाठी अंदाजे ₹20,000 कोटी गुंतवण्याचा प्रस्ताव दिला आहे. टर्मिनल इन्व्हेस्टमेंट लिमिटेड एसएआरएल सह, भारताच्या सागरी विकासासाठी आपली दृढ वचनबद्धता प्रदर्शित करत आहे. टीआयएल, स्वित्झर्लंडच्या बाहेर स्थित, कंटेनर टर्मिनल्सचा वैविध्यपूर्ण पोर्टफोलिओ आहे, जो धोरणात्मकदृष्ट्या जगातील प्रमुख शिपिंग मार्गांवर प्रमुख बंदरांवर स्थित आहे, मुख्य परिपक्व आणि विकसनशील बाजारपेठांमध्ये प्रवेश प्रदान करतो.

यावेळी बोलताना जनेप प्राधिकरणाचे अध्यक्ष श्री उन्मेष शरद वाघ, भा.रा.से. आणि सीएमडी वाप प्रकल्प लिमिटेड म्हणाले की, टर्मिनल इन्व्हेस्टमेंट लिमिटेड एसएआरएल सोबतचा सामंजस्य करार हा आमच्या दृष्टीकोनात भारतातील बंदराच्या पायाभूत सुविधांना पुनर्परिभाषित करण्यासाठी तयार असलेल्या वाढवण बंदरासाठीचे एक महत्त्वपूर्ण पाऊल आहे. ही भागीदारी केवळ भारताच्या सागरी क्षेत्रातील जागतिक गुंतवणूकदारांचा विश्वास दर्शवत नाही तर अत्याधुनिक तंत्रज्ञान, शाश्वत पद्धती आणि जागतिक दर्जाच्या पायाभूत सुविधांचे एकत्रिकरण सुनिश्चित करते. कार्यक्षमतेत आणि नावीन्यतेमध्ये नवीन मापदंड स्थापित करणारी पत्तन परिसंस्था तयार करण्याचे आमचे ध्येय आहे.'

वाप प्रकल्प लिमिटेडने नुकतेच वाढवण पत्तन कौशल्य कार्यक्रम सुरु केला आहे जो वाढवण विभागातील तरुणांकरता तयार केलेला आहे. निवडक सागरी प्रशिक्षण संस्था (एमटीआयएस) मार्फत कौशल्य विकास प्रशिक्षण देण्यासाठी नौवहन महानिदेशालय आणि जनेप प्राधिकरण यांच्यात सामंजस्य करार करण्यात आले आहेत.

जनेप प्राधिकरण बद्दल:

जवाहरलाल नेहरू पोर्ट प्राधिकरण (जनेप प्राधिकरण) हे भारतातील प्रमुख कंटेनर हाताळणी बंदरांपैकी एक आहे. २६ मे १९८९ रोजी स्थापना झाल्यापासून, जनेप प्राधिकरण एक बल्क कार्गो टर्मिनलवरून देशातील प्रमुख कंटेनर बंदरात रूपांतरित झाले आहे.

सध्या, जनेप प्राधिकरण पाच कंटेनर टर्मिनल्स चालवते - एन एस एफ टी , एन एस आय सी टी, एन एस आय जी टी, बी एम सी टी आणि ए पी एम टी बंदरात सामान्य मालवाहतुकीसाठी उथळ पाण्याचा बर्थ देखील आहे. जनेप प्राधिकरण पोर्टवर उपस्थित असलेले लिक्विड कार्गो टर्मिनल बीपीसीएल-आयओसीएल कन्सोर्टियमद्वारे व्यवस्थापित केले जाते. याव्यतिरिक्त, नव्याने बांधलेला किनारी धक्का इतर भारतीय बंदरांना जोडतो आणि किनारपट्टीवरील कंटेनरची वाहतूक वाढवते.

277 हेक्टर जमिनीवर वसलेले, जनेप प्राधिकरण भारतातील निर्यात-केंद्रित उद्योगांना चालना देण्यासाठी, अत्याधुनिक पायाभूत सुविधांसह, काळजीपूर्वक डिझाइन केलेले बहुउत्पादक विशेष आर्थिक क्षेत्र (SEZ) देखील चालवते.

जनेप प्राधिकरण महाराष्ट्रातील वाढवण येथे सर्व हवामानात काम करण्यायोग्य, २० मीटर नैसर्गिक खोल, ग्रीनफिल्ड पोर्ट विकसित करत आहे. हे जागतिक स्तरावरील सर्वोत्कृष्ठ १० बंदरांमध्ये स्थान मिळवणार आहे आणि स्थापनेपासून १००% हरित बंदर असेल.

मीडिया चौकशीसाठी, कृपया संपर्क साधा:

जनेप प्राधिकरण:

अंबिका सिंग

सीनियर मॅनेजर **(**मार्केटिंग**)**, जनेप प्राधिकरण

मोबाईल क्रमांक: **+919920372677**

ईमेल: **ambikasingh@jnport.gov.in**

जनेप प्राधिकरण ने वाढवण पत्तन परियोजना लिमिटेड के लिए टर्मिनल इन्वेस्टमेंट लिमिटेड एसएआरएल के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

मुंबई, **23** दिसंबर, **2024:** जवाहरलाल नेहरू पत्तन प्राधिकरण - भारत के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले पत्तन ने सोमवार, 23 दिसंबर, 2024 को टर्मिनल इन्वेस्टमेंट लिमिटेड एसएआरएल (टीआईएल) के साथ एक महत्वपूर्ण सहयोग स्थापित करते हुए, वाढवण पत्तन परियोजना लिमिटेड के निर्माण के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। यह साझेदारी भारत में पत्तन के बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने और वाढवण पत्तन को भविष्य के विश्व स्तरीय पत्तन में बदलने के लिए जनेप प्राधिकरण की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। इस पर जनेप प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री उन्मेष शरद वाघ, भा.रा.से., और सीएमडी, वाप परियोजना लिमिटेड और कॅप्टन दीपक तिवारी द्वारा हस्ताक्षर किए गए।

समझौता ज्ञापन के अनुसार टीआईएल ने वाढवण पत्तन और उसके आसपास के पारिस्थितिकी तंत्र के विकास के लिए अनुमानित ₹20,000 करोड़ का निवेश करने का प्रस्ताव दिया है। टर्मिनल इन्वेस्टमेंट लिमिटेड के साथ एसएआरएल भारत के समुद्री विकास के लिए अपनी मजबूत प्रतिबद्धता प्रदर्शित कर रहा है। टीआयएल, स्विट्जरलैंड के बाहर स्थित कंटेनर टर्मिनलों का एक विविध पोर्टफोलियो है, जो दुनिया के प्रमुख नौवहन मार्गों पर प्रमुख पत्तन पर रणनीतिक रूप से स्थित है, जो प्रमुख परिपक्व और विकसित बाजारों तक पहुंच प्रदान करता है।

इस अवसर पर बोलते हुए, जनेप प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री उन्मेष शरद वाघ ने, भा.रा.से. और सीएमडी, वाप परियोजना लिमिटेड कहा की कहा की “टर्मिनल इन्वेस्टमेंट लिमिटेड एसएआरएल के साथ समझौता ज्ञापन वाढवण पत्तन के लिए हमारे दृष्टिकोण में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो भारत में पत्तन के बुनियादी ढांचे को फिर से परिभाषित करने के लिए तैयार है। यह साझेदारी न केवल भारत के समुद्री क्षेत्र में वैश्विक निवेशकों के विश्वास को दर्शाती है, बल्कि अत्याधुनिक तकनीक, टिकाऊ प्रथाओं और विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचे के एकीकरण को भी सुनिश्चित करती है। साथ मिलकर, हमारा लक्ष्य एक ऐसा पत्तन पारिस्थितिकी तंत्र बनाना है जो दक्षता और नवाचार में नए मानक स्थापित करे।”

वाढवण पत्तन परियोजना लिमिटेड ने हाल ही में वाढवण पत्तन कौशल कार्यक्रम भी शुरू किया है, जिसे वाढवण क्षेत्र के युवाओं के लिए डिज़ाइन किया गया है। चयनित समुद्री प्रशिक्षण संस्थानों (एमटीआयएस) के
माध्यम से कौशल विकास प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए नौवहन महानिदेशालय और जनेप प्राधिकरण के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

जनेप प्राधिकरण के बारे में:

जवाहरलाल नेहरू पत्तन प्राधिकरण (जनेप प्राधिकरण) भारत के प्रमुख कंटेनर-हैंडलिंग बंदरगाहों में से एक है। 26 मई 1989 को अपनी स्थापना के बाद से, जनेप प्राधिकरण ने एक बल्क कार्गो टर्मिनल से देश के प्रमुख कंटेनर पत्तन में परिवर्तन किया है।

वर्तमान में, जनेप प्राधिकरण पांच कंटेनर टर्मिनलों - एनएसएफटी, एनएसआईसीटी, एनएसआईजीटी, बीएमसीटी और एपीएमटी का संचालन करता है। बंदरगाह में सामान्य कार्गो के

लिए उथले पानी की बर्थ भी है। जेएनपीए पोर्ट पर मौजूद लिक्विड कार्गो टर्मिनल का प्रबंधन बीपीसीएल-आईओसीएल कंसोर्टियम द्वारा किया जाता है। इसके अतिरिक्त, नवनिर्मित तटीय बर्थ अन्य भारतीय बंदरगाहों को जोड़ता है और तटीय कंटेनरों के यातायात को बढ़ाने की सुविधा प्रदान करता है।

277 हेक्टेयर भूमि पर बसा जनेप प्राधिकरण भारत में निर्यातोन्मुखी उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए अत्याधुनिक बुनियादी ढांचे के साथ एक सावधानीपूर्वक डिज़ाइन किया गया बहु-उत्पाद एसईजेड भी संचालित करता है।

जनेप प्राधिकरण महाराष्ट्र के वाढवण में एक सभी मौसमों में सक्षम, गहरे ड्राफ्ट वाला, ग्रीनफील्ड पत्तन भी विकसित कर रहा है। यह वैश्विक स्तर पर शीर्ष 10 बंदरगाहों में शामिल होने की संभावना है और इसकी स्थापना से ही 100% ग्रीन पोर्ट होगा।

मीडिया पूछताछ के लिए, कृपया संपर्क करें:

जनेप प्राधिकरण:

अंबिका सिंह

वरिष्ठ प्रबंधक (मार्केटिंग), जनेप प्राधिकरण

मोबाइल नंबर: **+919920372677**

ईमेल: **ambikasingh@jnport.gov.in**

JNPA Signs an MoU with Terminal Investment Limited Sàrl for the Vadhvan Port Project Ltd.

Mumbai, December 23rd, 2024: Jawaharlal Nehru Port Authority - India's Best Performing Port, has signed a Memorandum of Understanding (MoU) for the construction of the Vadhvan Port Project Ltd., establishing an important collaboration with Terminal Investment Limited Sàrl (TIL) on Monday, December 23, 2024. This partnership demonstrates JNPA's dedication to improving port infrastructure in India and turning Vadhvan Port into a world-class port of the future. It was exchanged by Shri Unmesh Sharad Wagh, IRS, Chairman, JNPA and CMD, VPPL, and Capt. Deepak Tewari, in the presence of Dhananjay Javdekar, and Karan Tewari.

According to the Memorandum of Understanding TIL has proposed to invest an estimated ₹20,000 crore for the development of the Vadhvan Port and the surrounding ecosystem. With, Terminal Investment Limited Sàrl is demonstrating its strong commitment to India's marine development. TIL, based out of Switzerland, has a diverse portfolio of container terminals, strategically located at key ports on the world's major shipping routes, providing access to key mature and developing markets.

Speaking on the occasion, Shri Unmesh Sharad Wagh, IRS, Chairman, JNPA and CMD, VPPL, said, *"The MoU with Terminal Investment Limited Sàrl marks a significant step in our vision for the Vadhvan Port, which is poised to redefine port infrastructure in India. This partnership not only reflects the confidence of global investors in India's maritime sector but also ensures the integration of cutting-edge technology, sustainable practices, and world-class infrastructure. Together, we aim to create a port ecosystem that sets new benchmarks in efficiency and innovation."*

VPPL also recently launched the Vadhvan Port Skilling Program, which is designed for the youth of the Vadhvan region. MoUs have been signed between DG Shipping and JNPA to provide skill development training through selected Maritime Training Institutes (MTIs).

About JNPA:

The Jawaharlal Nehru Port Authority (JNPA) is one of the premier container-handling ports in India. Since its inception on May 26, 1989, JNPA has transformed from a bulk cargo terminal into the premier container port in the country.

Currently, JNPA operates five container terminals - NSFT, NSICT, NSIGT, BMCT and APMT. The Port also has a Shallow Water Berth for general cargo. A Liquid Cargo Terminal present at the JNPA Port is managed by the BPCL-IOCL consortium. Additionally, the newly constructed coastal berth links other Indian ports and facilitates enhancing the traffic of coastal containers.

Nestled across 277 hectares of land, JNPA also operates a meticulously designed multi-product SEZ, with state-of-the-art infrastructure, to boost export-oriented industries in India.

JNPA is also developing an all-weather, deep-draft, greenfield port at Vadhvan, in Maharashtra. It is poised to be among the top 10 ports globally and will be 100% green port since its inception.

For media enquiries, please contact:
JNPA:
Ambika Singh
Sr. Manager (Marketing), JNPA
Mob: +919920372677
E-mail: ambikasingh@jnport.gov.in